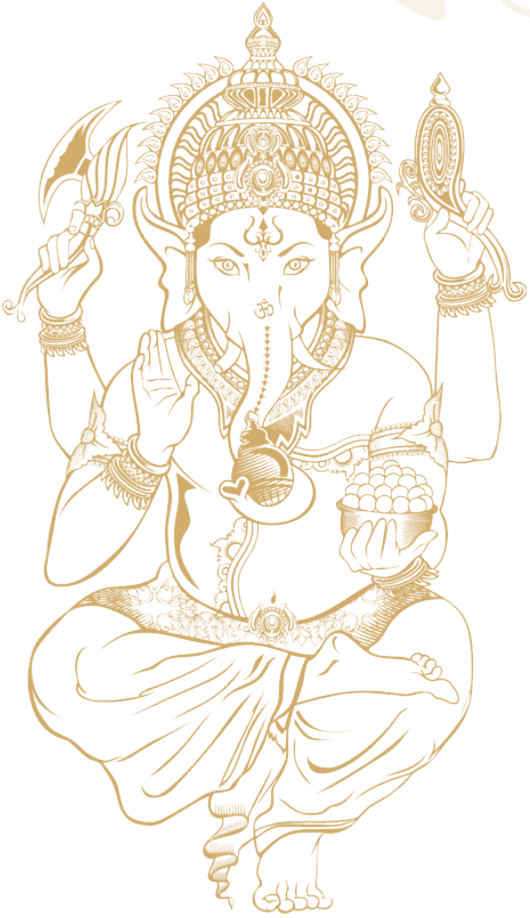

Shivam Kumar

06 Feb 2023

07:00 PM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 120916304

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/02/2023**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**19:00:00 घंटे**
इष्ट	31:14:11 घटी
स्थान	**Gaya**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:10:00 घंटे
वेलान्तर	-00:14:02 घंटे
साम्पातिक काल	04:15:43 घंटे
सूर्योदय	06:30:19 घंटे
सूर्यास्त	17:38:04 घंटे
दिनमान	11:07:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	23:18:20 मकर
लग्न के अंश	12:15:44 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शोभन
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मा-माणिक
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	12:15:44	323:16:40	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	---
सूर्य			मक	23:18:20	01:00:47	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	01:57:58	11:57:36	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			वृष	17:25:03	00:15:35	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	सम राशि
बुध			धनु	29:20:25	01:15:45	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	सम राशि
गुरु			मीन	12:56:52	00:11:48	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	राहु	स्वराशि
शुक्र			कुंभ	18:48:55	01:14:23	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	मित्र राशि
शनि		अ	कुंभ	02:20:16	00:07:12	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	मूलत्रिकोण
राहु	व		मेष	13:23:08	00:13:43	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	13:23:08	00:13:43	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	सम राशि
हर्ष			मेष	20:51:25	00:00:46	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	---
नेप			कुंभ	29:35:37	00:01:55	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	चंद्र	---
प्लूटो			मक	04:39:49	00:01:53	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
दशम भाव			वृष	11:38:44	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	मंगल	--

व - वक्री   स - स्थिर

अ - अस्त   पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:10:38

लग्न-चलित

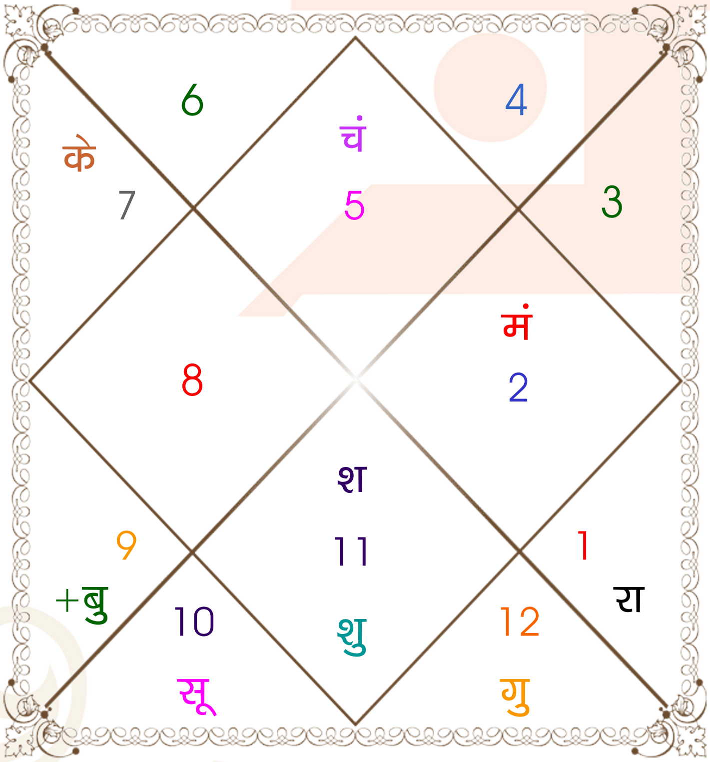

चन्द्र कुंडली

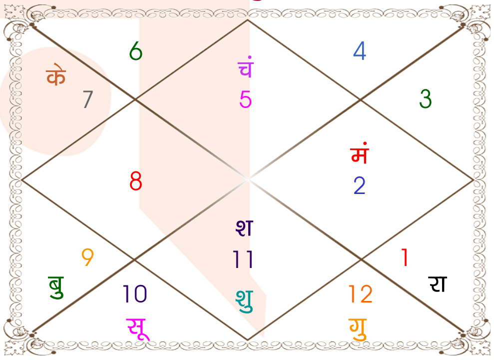

नवमांश कुंडली

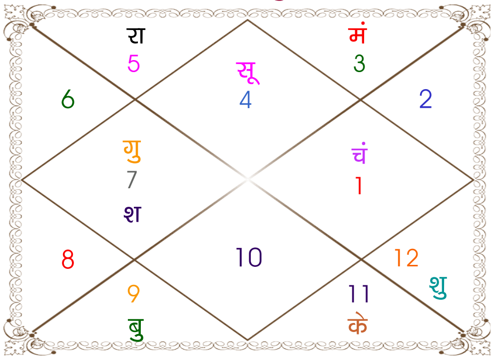

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 11 मास 18 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
06/02/2023		25/01/2029		25/01/2049		26/01/2055		25/01/2065	
25/01/2029		25/01/2049		26/01/2055		25/01/2065		26/01/2072	
	06/02/2023	शुक्र	27/05/2032	सूर्य	15/05/2049	चंद्र	26/11/2055	मंगल	23/06/2065
शुक्र	24/08/2023	सूर्य	27/05/2033	चंद्र	13/11/2049	मंगल	26/06/2056	राहु	12/07/2066
सूर्य	29/12/2023	चंद्र	26/01/2035	मंगल	21/03/2050	राहु	26/12/2057	गुरु	18/06/2067
चंद्र	29/07/2024	मंगल	27/03/2036	राहु	13/02/2051	गुरु	27/04/2059	शनि	26/07/2068
मंगल	26/12/2024	राहु	27/03/2039	गुरु	02/12/2051	शनि	25/11/2060	बुध	24/07/2069
राहु	13/01/2026	गुरु	25/11/2041	शनि	13/11/2052	बुध	27/04/2062	केतु	20/12/2069
गुरु	20/12/2026	शनि	25/01/2045	बुध	19/09/2053	केतु	26/11/2062	शुक्र	19/02/2071
शनि	29/01/2028	बुध	26/11/2047	केतु	25/01/2054	शुक्र	26/07/2064	सूर्य	27/06/2071
बुध	25/01/2029	केतु	25/01/2049	शुक्र	26/01/2055	सूर्य	25/01/2065	चंद्र	26/01/2072

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
26/01/2072		25/01/2090		26/01/2106		26/01/2125		26/01/2142	
25/01/2090		26/01/2106		26/01/2125		26/01/2142		00/00/0000	
राहु	08/10/2074	गुरु	14/03/2092	शनि	29/01/2109	बुध	25/06/2127	केतु	24/06/2142
गुरु	03/03/2077	शनि	26/09/2094	बुध	09/10/2111	केतु	21/06/2128	शुक्र	07/02/2143
शनि	08/01/2080	बुध	01/01/2097	केतु	17/11/2112	शुक्र	22/04/2131		00/00/0000
बुध	27/07/2082	केतु	08/12/2097	शुक्र	18/01/2116	सूर्य	26/02/2132		00/00/0000
केतु	14/08/2083	शुक्र	09/08/2100	सूर्य	30/12/2116	चंद्र	28/07/2133		00/00/0000
शुक्र	14/08/2086	सूर्य	28/05/2101	चंद्र	31/07/2118	मंगल	25/07/2134		00/00/0000
सूर्य	09/07/2087	चंद्र	27/09/2102	मंगल	09/09/2119	राहु	10/02/2137		00/00/0000
चंद्र	07/01/2089	मंगल	03/09/2103	राहु	16/07/2122	गुरु	19/05/2139		00/00/0000
मंगल	25/01/2090	राहु	26/01/2106	गुरु	26/01/2125	शनि	26/01/2142		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 11 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क राशि का नवमांश तथा धनु राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस समन्वित ग्रह योग के प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका सामान्य एवं वैवाहिक जीवन अति उत्तम रहेगा। आप अपने पिता के साथ अथवा अपने पुत्र के साथ आरामदेह एवं आनंदपूर्ण जीवन बिताएंगे। परंतु यह आभास मिलता है कि आपके पिता के साथ तथा पुत्रों के साथ कोई सामान्य समस्याओं से युक्त दिक्तों का सामना करना पड़ सकता है। आपके जीवन में कतिपय नकारात्मक व्यवधान को छोड़कर शेष जीवन उच्च स्तरीय सुख-सुविधापूर्ण बीतेगा। आप उच्च प्रशासनिक पद पर प्रतिष्ठित होकर पूर्ण फलदायी जीवन व्यतीत करेंगे, तथा अपने पारिवारिक सदस्यों का स्नेह एवं अन्य व्यक्तियों के द्वारा सम्मान प्राप्ति का आनंद प्राप्त करेंगे।

आपको योजना बद्ध तरीके से धन का व्यय करने के प्रति सतर्क रहना होगा। आप अन्य व्यक्तियों के समक्ष अपना प्रभावशाली अस्तित्व को प्रदर्शित करने के लिए अपने लिए तथा पारिवारिक सदस्यों के पहनावा, वस्त्राभूषण पर बहुत अधिक व्यय करेंगे। आप अधिक मात्रा में अपने व्यवसायी पार्टनर तथा मित्रों को घर पर बुला कर, खान-पान एवं सम्मान पर अत्यंत धन का व्यय करेंगे।

आप उदार एवं दानी प्रवृत्ति के व्यक्ति है तथा समाज के कमजोर वर्ग की सहायता हेतु आर्थिक मदद करने की व्यवस्था करेंगे। अस्तु यह संभाव्य है कि आपकी बृद्धावस्था में धन के अभाव का पश्चाताप युक्त दुखद अनुभव करना पड़े। अतएव आपको परिस्थिति के अनुकूल धन के व्यय की उचित योजना बना कर सभी कार्यों का संपादन अर्थात् धन का व्यय करना चाहिए।

आप में जन्म से ही नेतृत्व के गुण विद्यमान है, तथा आपको कब क्या कार्य करना चाहिए। इस बात का भी ज्ञान है। आप अपनी जन्मजात प्रवृति से नेतागिरी का पूर्ण व्यवहार करेंगे। ऐसी आशा है कि आप निगमायुक्त एवं बड़ी कंपनी के उच्च पद पर आसीन होंगे। क्योंकि आप आश्चर्यजनक प्रभावशाली गुण के कारण शीघ्रता पूर्वक चमत्कारपूर्ण संबंध बना लेते हैं। आप सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी पद का भार ग्रहण करने के योग्य हैं।

आप अपने अत्याधिक कार्यक्रमों के अनुसार तथा यात्रा क्रम से अत्यंत व्यस्त तथा अनेक कार्यों में संलग्न रहेंगें। आप उत्तरदायीत्व पूर्ण कार्य प्रबंध करते हुए भी अपने पारिवारिक सदस्यों को बहुत स्नेह संबंध के लिए अपना बहुमूल्य समय प्रदान करेंगे।

आप में आंशिक अभिनयात्मक भावना विद्यमान हैं तथा आप में ऐसी सक्षमता है कि परिस्थिति के अनुरूप अपने को उपयुक्त बना लेते हैं। प्रायः आप आनंद प्राप्त करने में निमग्न हो जाया करते हैं। परंतु आप पर्याप्त मात्रा में अच्छे कार्यक्रमों को सुरुचिपूर्ण ढंग से संपादन करते हैं।

आप अधिक दिनों तक स्वस्थ रहेंगे। परंतु वृद्धावस्था में किसी प्रकार का जोखिम भरा कार्य करोगे तो आप हृदय संबंधी दिक्कतों तथा पीठ के रीड की हड्डियों के रोग के भुक्त भोगी होंगे। क्योंकि आपकी प्रवृत्ति उत्तेजनात्मक, चिंताग्रस्त स्वभाव एवं बेसुधपना जीवन के प्रति चिंता बना सकता है। अतः आप शांति ग्रहण कर विश्राम करें। आपके लिए उत्तम तो यह है कि प्रत्येक माह में पूर्णिमा के दिन उपवास रखें।

सम्प्रति प्रायः अधिक लोग काला और सफेद वस्त्रों का त्यागकर देते हैं। परंतु आपके लिए अनुकूल रंग हरा, नारंगी एवं लाल रंग भाग्यशाली है।

आप अंक 2, 7 एवं 8 अंक के प्रति सतर्क रहें क्योंकि ये अंक आपके लिए उपयुक्त नहीं है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5, एवं 6 अंक आपके लिए अनुकूल प्रमाणित होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।